	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
सत्यमेव जयते	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	आषाढ़ *13, गुरूवार*, शाके 1946-*जुलाई 04*, 2024 *Asadha 13, Thursday, Saka 1946- July 04, 2024*	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

अधिसूचना

जयपुर, जुलाई 02, 2024

संख्या प. 2(38)वन/2024:-चूंकि इसके साथ संलग्न अनुसूची में बतलाई गई वनभूमि अथवा बंजरभूमि सरकार की सम्पत्ति है या उसमें सरकार स्वामित्वाधिकार रखती है अथवा सरकार उसकी सम्पूर्ण वनउपज या उसके किसी भाग की हकदार हैं। और चूंकि सरकार पंचायत भूमि और बंजरभूमि को राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अधीन रक्षित वन घोषित करने का विचार रखती है ।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकार और प्राईवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा का अभी तक किसी प्रकार अभिलेखन नहीं किया गया है:

और चूंकि सरकार यह भी सोचती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार अथवा प्राईवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा के विषय में जाँच करवाना और उनका अभिलेखन कराया जाना आवश्यक है, परन्तु इस कार्य में इतना अधिक समय लग जावेगा कि जिसके बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

अतः अब राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम, संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार एतद्द्वारा, वन बन्दोबस्त अधिकारी/सहायक वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकार या प्राईवेट व्यक्तियों के अधिकारों की जांच तथा अभिलेखन करने के लिए नियुक्त करती है और ऐसी जांच व अभिलेखन, जहां तक व्यवहार्य हो, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 14, 17, 18 और 19 में प्रावहित विधि के अनुसार ही किया जावेगा।

और उपर्युक्त अधिनियम की धारा 29 की उप-धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार पूर्वोक्त जांच और अभिलेखन होने तक एतद्द्वारा कथित वन भूमि और बंजर भूमि को रक्षित वन घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों अथवा वर्गों के वर्तमान अधिकारों में कमी नहीं होगी और न उन पर कोई प्रभाव पडेगा:

और उसकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में दिखाए गए कथित रक्षित वन में स्थित वृक्ष इस

विज्ञप्ति के राज-पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से आरक्षित किये जाते है और पूर्वोक्त तारीख में कथित वन में किसी खदान से पत्थर निकालना या चूना या कोयला जलाना या किसी वन उपज का संग्रह किया जाना या किसी निर्माण प्रक्रिया या साधन बनाया जाना और कथित वन में किसी भूमि को कृषि के लिए या मकान बनाने के लिए या पशुपालन के लिए अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए तोड़ा जाना, साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,
विशिष्ठ शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	ग्राम	विवरण	
					खसरा नम्बर	रकबा हे0 में
1	2	3	4	5	6	
1	रोशिया मगरा पार्ट बी रेंज-प्रतापगढ़	दलोट	प्रतापगढ़	धोराजी का पठार	141/37	11.92 है.
					139/36	2.3502
					योग	14.2702
				उत्तर:- गैर वन भूमि ग्राम धोराजी का पठार पूर्व :- गैर भूमि ग्राम धोराजी का पठार खसरा नं. 140/36 दक्षिण:-गैर वन ग्राम धोराजी का पठार खसरा नं.142/37,38 पश्चिम:- वन भूमि ग्राम धोराजी का पठार		

(हरि किशन सारसवत, भा.व.से.)
उप वन संरक्षक,
प्रतापगढ़

क्षेत्रीय वन अधिकारी
प्रतापगढ़

द्वितीय अनुसूची

वनखण्ड - रोशिया मगरा पार्ट बी
रेंज - प्रतापगढ़
वन मण्डल - प्रतापगढ़

ग्राम-धोराजी का पठार
तहसील - दलोट
जिला - प्रतापगढ़

क्र.सं.	नाम प्रजाति (बोटेनिकल)	नाम प्रजाति (स्थानीय)
1	Tectona grandis Linn.	सागवान
2	Diospyros melanoxylon Roxb.	तेंदू/टिमरू
3	Holopteliea integrifolia Planch	चुरेल
4	Wrightia tinctoria	खिरनी
5	Butea monosperma	पलाश

(हरि किशन सारसवत, भा.व.से.)
उप वन संरक्षक,
प्रतापगढ़

क्षेत्रीय वन अधिकारी
प्रतापगढ़

प्रारंभिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण-पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दे)

वनखण्ड - रोशिया मगरा पार्ट बी
रेंज - प्रतापगढ़
वन मण्डल - प्रतापगढ़
ग्राम-धोराजी का पठार
तहसील - दलोट
जिला - प्रतापगढ़

1. संलग्न प्रारूप में दर्षाई गई भूमि का वर्गीकरण बी. 2 पायती है उक्त भूमि को वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के प्रत्यावर्तन प्रकरण Diversion of 149.3002 ha of forest land for open cast Iron Ore Mining in favor of M/s Ojaswi Marble & Granite Pvt. Ltd. in District Sikar, Rajasthan के प्रकरण में क्षर्तिपुरक वृक्षारोपण हेतु गैर वनभूमि का आवंटन जिला कलक्टर, प्रतापगढ के राजस्व/विपथन/2023-24/415 दिनांक 15.03.2024 के द्वारा वन विभाग के पक्ष में किया गया। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरो का विवरण दर्षाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा विकास कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। इसमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नही हो रहा है। क्षैत्र को रक्षित वन घोषित कराना प्रस्तावित है।
3. भूमि पर वृक्षों का धनत्व कुछ क्षेत्र में 0.3 है तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों सागवान, तेंदु, पलाश, चुरेल, खिरनी, लेन्टेना इत्यादि प्राकृतिक रूप से विद्यमान है।
4. समीपवर्ती स्थित क्षैत्र राजस्व बंजर (राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन) - भूमि है तथा चारो और की सीमाओ का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम 5 में कर दिया गया है।
5. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्षे) संलग्न हे एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओ एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षैत्रों की सीमा को राजस्व नक्षे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षैत्र की जी.टी. शीट पर चिन्हित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
6. प्रस्तावित क्षैत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नही भेजने के कई कारण रहे है किन्तु अब उल्लेखित वनक्षैत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट प्रकाश होना नितान्त आवश्यक है, जिसके कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
7. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नही हुआ है।

(हरि किशन सारसवत, भा.व.से.)
उप वन संरक्षक,
प्रतापगढ़

क्षेत्रीय वन अधिकारी
प्रतापगढ़

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।